कार्बन डाईऑक्साइड और तापमान दोनों बढ़ रहे हैं

मौसम की खबरें अच्छी नहीं हैं। यदि कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन के स्तर में वृद्धि को तत्काल रोक दिया जाए, तो भी दुनिया का औसत तापमान औद्योगिक युग से पहले के तापमान से 1.6 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा हो जाएगा। आज तक जलवायु को लेकर जो भी बातचीतें हुई हैं उनमें तापमान में वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने पर ज़ोर दिया जाता रहा है। मगर वह लक्ष्य तो पूरा होता नहीं दिखता।

वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा काफी हद तक वैश्विक तापमान वृद्धि के लिए ज़िम्मेदार है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में बताया है कि इतने सालों में पहली बार वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा 400 अंश प्रति दस लाख अंश (यानी 400 पीपीएम) को पार कर गई।

दूसरी ओर, यूके के मौसम विभाग ने रिपोर्ट दी है कि दुनिया का तापमान औद्योगिक युग से पहले की अपेक्षा 1 डिग्री सेल्सियस अधिक हो चुका है। इसी के आधार पर कहा जा रहा है कि यदि कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में और वृद्धि न हो तो भी 0.6 डिग्री की और वृद्धि से बचा नहीं जा सकेगा। विकास की वर्तमान राजनीति को देखते हुए यह तो संभव नहीं लगता कि रातोंरात सारे देश कार्बन उत्सर्जन को आज के स्तर पर रोकने को तैयार हो जाएंगे।

वैसे कई सारी जलवायु संधियों में विभिन्न देशों ने कार्बन उत्सर्जन को लेकर वायदे किए हैं। यदि सारे देश अपने-अपने वचनों का पालन करेंगे तो भी 2030 तक तो कार्बन उत्सर्जन बढ़ता ही जाएगा। यानी वैश्विक तपन में वृद्धि को 2 डिग्री तक सीमित रखना अब संभव नहीं लगता। ***(स्रोत फीचर्स)***